---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (82) खण्ड - {163}

---

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- गीता में है भगवानुवाच मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ अर्थात्-

A- नर से नारायण बनाता हूँ

B- राजाओं का राजा बनाता हूं

C- विश्व का मालिक बनाते हूं

D- मनुष्य से देवता बनाता हूं

प्रश्न 2- अलौकिक जन्म है -

A- शिवबाबा का

B- हम ब्राह्मण बच्चों का

C- ब्रह्मा विष्णु शंकर का

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 3- बड़ी जबरदस्त कमाई है ?

A- आत्मा समझने में

B- आत्मा को पवित्र बनाने में

C- बाप की याद में

D- हर कर्म श्रीमत पर हो तो

प्रश्न 4- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- ड्रामा का चक्र

B- सीढ़ी

C- बाप का वर्सा

D- अपने 84 जन्म

प्रश्न 5- आनेस्ट बनना अर्थात्-

A- ट्रस्टी बनना

B- सत्य बाप के साथ सच्चा रहना

C- सर्व खजानों को विश्व कल्याण में लगाना

D- हर कदम बाप के साथ उठाना

प्रश्न 6- पारस बुद्धि बनाने के लिए उन्हें -

A- पारस नाथ का परिचय दो

B- पहले तो स्व का परिचय दो

C- सात रोज की भट्टी में बैठाओ

D- सत्य नारायण की सच्ची कथा सुनाओ

प्रश्न 7- शिव बाबा का रथ -

A- भाग्यशाली रथ

B- सौभाग्यशाली रथ

C- श्री कृष्ण की आत्मा का रथ

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 8- यथार्थ योग अर्थात् -

A- हर कर्म याद में

B- हर संकल्प समर्थ

C- बुद्धि को एक ही संकल्प में स्थित कर लें जब तक चाहे

D- एक बाप ही आधार

प्रश्न 9- विकार रूपी भूतों का आह्वान होता है -

A- देह अभिमान के कारण

B- अशुद्धि के कारण

C- याद में न रहने से

D- तमोगुणी भोजन से

प्रश्न 10- वैष्णव के सम्बन्ध में कौन सा कथन सही नहीं है?

A- वेजिटेरियन होते हैं

B- मांस मदिरा नहीं खाते हैं

C- प्याज लहसुन आदि नहीं खाते हैं

D- विकार में नहीं जाते

प्रश्न 11- मोह होता है ?

A- संबंध में

B- सम्पति में

C- खान पान में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- लड़ाई होती है ?

A- कौरवों और यवनों की

B- कौरवों और यादवों की लगती है

C- कौरवों और पाण्डवों की लगती है

D- किसी की भी नहीं लगती

प्रश्न 13- बाबा बिजनेसमैन भी तो है ना। तुमसे कखपन पाई पैसे लेकर एक्सचेंज में क्या देता  है ?

A- सर्व खजानों की चाबी

B- राजाई

C- 21 जन्मों का वर्सा

D- सोने के महल

प्रश्न 14- कौन सा अक्षर तो सबमें डालो ?

A- सतयुगी

B- बाबा

C- 21 जन्म हेल्थ

D- आत्मा

प्रश्न 15- वह विनाशी धन तो कोई काम नहीं आयेगा। हमको तो अपनी ..... कमाई करनी है, इसमें बहुतों का कल्याण होगा।

A- याद की

B- अविनाशी

C- ज्ञान की

D- सेवा की

प्रश्न 16- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए

A- रुद्र माला

B- रुण्ड माला

C- शिव माला

D- विष्णु की माला

---

भाग (82) खण्ड {163} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

उत्तर 1- *A.नर से नारायण बनाता हूं*

पहले-पहले बाप का ही परिचय देना है। उनका नाम है शिव। गीता में भगवानुवाच है ना। पहले-पहले तो यह निश्चय कराए लिखा लेना चाहिए। गीता में है *भगवानुवाच - मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ अर्थात् नर से नारायण बनाता हूँ।* यह कौन बना सकते हैं? जरूर समझाना पड़े। भगवान कौन है फिर यह भी समझाना होता है।

उत्तर 2- *D. A और B*

अभी तुम समझते हो तो फिर समझाना है। *शिवबाबा है निराकार, उनका अलौकिक जन्म है। तुम बच्चों को भी अलौकिक जन्म देते हैं।* अलौकिक बाप अलौकिक बच्चे। लौकिक, पारलौकिक और अलौकिक कहा जाता है। तुम बच्चों को अलौकिक जन्म मिलता है। बाप तुमको एडाप्ट कर वर्सा देते हैं। तुम जानते हो *हम ब्राह्मणों का भी अलौकिक जन्म है।*

उत्तर 3- *B.आत्मा को पवित्र बनाने में*

धंधा आदि करते यही मेहनत करो कि मैं आत्मा इस शरीर से काम करती हूँ। मैं आत्मा ही शिवबाबा को याद करती हूँ। *आत्मा ही पहले-पहले पवित्र थी, अब फिर पवित्र बनना है। यह है मेहनत। इसमें बड़ी जबरदस्त कमाई है।* यहाँ कितने भी साहूकार हैं, अरब-खरब हैं परन्तु वह सुख नहीं है। सबके सिर पर दु:ख हैं।

उत्तर 4- *C.बाप का वर्सा*

बाप आते ही हैं तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देने। वह ज्ञान का सागर है ना। कहेंगे - बच्चे, देही-अभिमानी हो रहो। बाप को याद करो। यह ज्ञान हुआ। *बाप कहते हैं इस ड्रामा के चक्र को, सीढ़ी को और बाप को याद करो - यह ज्ञान हुआ। बाप कहते हैं अपने 84 जन्मों को याद करो।* तुम पवित्र आये थे फिर पवित्र होकर ही जाना है।

उत्तर 5- *C.सर्व खजानों को विश्व कल्याण में लगाना*

अगर समय, वाणी, कर्म, श्वांस वा संकल्प परमत या संगदोष में व्यर्थ तरफ गंवाते हो, स्वचिंतन के बजाए परचिंतन करते हो, स्वमान की बजाए किसी भी प्रकार के अभिमान में आते हो, श्रीमत के बदले मनमत के आधार पर चलते हो तो ऑनेस्ट नहीं कहेंगे। *यह सब खजाने विश्व कल्याण के लिए मिले हैं, तो उसी में ही लगाना यही है ऑनेस्ट बनना।*

उत्तर 6- *C.सात रोज की भट्टी में बिठाओ*

आज के देह-अभिमानी मनुष्यों को थोड़ा पैसा मिला तो समझते हैं हम तो स्वर्ग में बैठे हैं। सुखधाम (स्वर्ग) को बिल्कुल जानते नहीं क्योंकि पत्थरबुद्धि हैं। *अब उन्हें पारसबुद्धि बनाने के लिए 7 रोज़ की भट्ठी में बिठाओ क्योंकि पतित हैं ना।*

उत्तर 7- *E. A, B और C*

बाबा हर 5 हज़ार वर्ष बाद भारत में ही *भाग्यशाली रथ* पर आते हैं। *यह है सौभाग्यशाली, जिस रथ में भगवान आकर बैठते हैं।* कोई कम है क्या। भगवान इनमें बैठ बच्चों को समझाते हैं कि मैं बहुत जन्मों के अन्त में इसमें प्रवेश करता हूँ। *श्रीकृष्ण की आत्मा का रथ है ना।*

उत्तर 8- *C.बुद्धि को एक ही संकल्प में स्थित कर लें जब तक चाहें*

सब संकल्पों से परे एक संकल्प में स्थित होने का अभ्यास चाहिए। जिस समय विस्तार में बिखरी हुई बुद्धि हो उस समय स्टॉप करने की प्रैक्टिस चाहिए। स्टॉप करना और होना। *जितना समय चाहें उतना समय बुद्धि को एक संकल्प में स्थित कर लें - यही है यथार्थ योग।*

उत्तर 9- *B.अशुद्धि के कारण*

स्लोगन:-अशुद्धि ही विकार रूपी भूतों का आह्वान करती है इसलिए संकल्पों से भी शुद्ध बनो।

उत्तर 10- *D.विकार में नहीं जाते*

तुम पूरे वैष्णव बनते हो। वैष्णव अर्थात् जो वेजीटेरियन होते हैं। मास मदिरा आदि नहीं खाते हैं। *परन्तु विकार में तो जाते हैं, बाकी वैष्णव बना तो क्या

हुआ।* वैष्णव कुल के कहलाते हैं अर्थात् प्याज़ आदि तमोगुणी चीज़ें नहीं खाते हैं।

उत्तर 11- *A.संबंध में*

सबसे बड़ा अवगुण है मोह। *मोह के कारण सम्बन्धियों की याद सताती रहती है।* किसी का कोई सम्बन्धी मरता है तो 12 मास तक उसे याद करते रहते हैं। मुँह ढक कर रोते रहेंगे, याद आती रहेगी। ऐसे ही अगर बाप की याद सताये, दिन-रात तुम बाप को याद करो तो तुम्हारा बेडा पार हो जायेगा।

उत्तर 12- *B.कौरव और यादवों की लगती है*

जब 16 कला सम्पूर्ण बनेंगे तब विनाश की भी तैयारी होगी। वह विनाश के लिए और तुम अविनाशी पद के लिए तैयारी कर रहे हो। *कौरव और पाण्डवों की लड़ाई हुई नहीं, कौरवों और यादवों की लगती है* । ड्रामा अनुसार पाकिस्तान भी हो गया।

उत्तर 13- *C.21 जन्मों का वर्सा*

बाबा बिजनेसमैन भी तो है ना। तुमसे कखपन पाई पैसे लेकर एक्सचेंज में क्या देता हूँ! इसलिए गाया जाता है रहमदिल। कौड़ी से हीरे जैसा बनाने वाला, मनुष्य को देवता बनाने वाला। *सबका कल्याण करो तो 21 जन्मों का वर्सा मिलेगा। ... बाबा हमको श्रीमत दे रहे हैं। बाप फिर रिटर्न में 21 जन्म के लिए देते हैं।*

उत्तर 14- *A.सतयुगी*

टापिक की लिस्ट बनाओ फिर लिखते जाओ। विश्व में शान्ति कैसे हो सकती है आकर समझो, 21 जन्मों के लिए निरोगी कैसे बन सकते हो, आकर समझो। ऐसी खुशी की बातें लिखी हुई हो। 21 जन्मों के लिए निरोगी, सतयुगी डबल सिरताज आकर बनो। *सतयुगी अक्षर तो सबमें डालो।*

उत्तर 15- *B.अविनाशी*

यह भी धन्धा है ना। बाप कहते हैं हिम्मते बच्चे मददे बापदादा। वह विनाशी धन तो कोई काम नहीं आयेगा। *हमको तो अपनी अविनाशी कमाई करनी है,* इसमें बहुतों का कल्याण होगा। जैसे इस ब्रह्मा ने भी किया। फिर कोई भूख थोड़ेही मरते हैं।

उत्तर 16- *C.शिव माला*

शिव भगवानुवाच। रूद्र भगवानुवाच भी कहा जा सकता है क्योंकि *शिव माला नहीं गाई जाती है।* जो मनुष्य भक्ति मार्ग में बहुत फेरते हैं उसका नाम रखा हुआ है रूद्र माला। बात एक ही है परन्तु राइट-वे में शिवबाबा पढ़ाते हैं। वह नाम ही होना चाहिए, परन्तु रूद्र माला नाम चला आता है।

---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (82) खण्ड - {164}

---

प्रश्न 1- सन्यासियों को कहेंगे -

A- पवित्र आत्मा

B- पुण्यात्मा

C- महान आत्मा

D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2- ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन जो बड़ा क्लीयर कहां दिखाया गया है -

A- गोले में

B- सीढ़ी में

C- सृष्टि चक्र में

D- विराट रूप में

प्रश्न 3- मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है ?

A- अव्यक्त ब्रह्मा

B- ब्राह्मण बच्चे

C- प्रजापिता ब्रह्मा

D- शिवबाबा

प्रश्न 4- सतयुग में नहीं होंगें -

A- विमान

B- बिजली

C- स्टीमर

D- चित्रकारी

प्रश्न 5- सबसे बड़ा वन्डर कौन सा है-

A- स्वर्ग

B- परमात्मा का गुप्त रूप में अवतरण

C- परमात्मा द्वारा संपूर्ण सृष्टि का परिवर्तन

D- बाप स्वयं आ कर पढ़ाते हैं

प्रश्न 6- नंबरवार ताला उनका खुलेगा ?

A- जो आत्म अभिमानी हो रहेंगे

B- जितना याद में रहेंगे

C- बुद्धि से पूरी तरह समर्पित होंगे

D- श्रीमत पर चलेंगे

प्रश्न 7- विशाल कार्य में सहयोगी बन जाएंगे ?

A- बेहद की दृष्टि रखने से

B- विश्व कल्याण की भावना से

C- मनसा सेवा से

D- स्वयं संपन्न बन

प्रश्न 8- क्रिश्चियन धर्म का बीज है ?

A- आदि देव ब्रह्मा

B- शिवबाबा

C- क्राइस्ट

D- देवी-देवता धर्म

प्रश्न 9- प्रेरणा अर्थात् -

A- संकल्प

B- विचार

C- भावना

D- मन्सा शक्ति

प्रश्न 10- किन बच्चों की बुद्धि में याद ठहर नहीं सकती ?

A- जो आत्मिक स्थिति में नहीं रहते

B- श्रीमत पर पूरा नहीं चलते

C- पूरा पूरा निश्चय नहीं है तो

D- व्यर्थ संकल्प ,पुराने संस्कार के कारण

प्रश्न 11- अलौकिक भाषा है ?

A- नयनों की भाषा,

B- भावना की भाषा

C- संकल्प की भाषा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- सबसे ऊंच कुल है ?

A- वैश्य

B- ब्राह्मण

C- देवता

D- क्षत्रिय

प्रश्न 13- बाप से व्यापार करना है तो-

A- सच्चे बाप से सच्चे बनो

B- बाप समान अपकारी पर भी उपकार करो

C- श्रीमत पर चलो

D- गफलत मत करो

प्रश्न 14- सबसे बुरी आदत कौन सी है -

A- आंखों की चंचलता

B- मन का भटकना

C- ज़बान का स्वाद

D- देह का आकर्षण

प्रश्न 15- ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी है ?

A- प्युरिटी

B- रियलिटी

C- सन्तुष्टता

D- प्रसन्नता

प्रश्न 16- बालक बनना अर्थात् -

A- वारिस बनना

B- बोझ मुक्त बनना

C- हद के जीवन का परिवर्तन

D- सदा बेफिक्र

---

भाग (82) खण्ड {164} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

उत्तर 1- *A.पवित्र आत्मा*

कोई अच्छे मनुष्य भी होते हैं, जिसको रिलीजस माइन्डेड वा भक्त कहा जाता है। *सन्यासियों को कहेंगे पवित्र आत्मा* और जो दान आदि करते हैं उनको कहेंगे पुण्य आत्मा। इससे भी सिद्ध होता है - आत्मा ही दान-पुण्य करती है इसलिए पुण्य आत्मा, पवित्र आत्मा कहा जाता है।

उत्तर 2- *B.सीढ़ी में*

भक्ति है ब्राह्मणों की रात। ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन। जो अब प्रैक्टिकल में हो रहा है। *सीढ़ी में बड़ा क्लीयर दिखाया हुआ है।* नई दुनिया और पुरानी दुनिया को आधा-आधा कहेंगे। ऐसे नहीं कि नई दुनिया को जास्ती टाइम, पुरानी दुनिया को थोड़ा टाइम देंगे। नहीं, पूरा आधा-आधा होगा। तो क्वार्टर भी कर सकेंगे।

उत्तर 3- *D.शिवबाबा*

मैं सुप्रीम आत्मा हूँ। मेरी महिमा अलग है। हर एक की महिमा अपनी-अपनी है ना। गायन भी है ना - परमपिता परमात्मा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं। *वह ज्ञान का सागर, मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है।* वह सत है, चैतन्य है, आनन्द, सुख-शान्ति का सागर है। यह है बाप की महिमा।

उत्तर 4- *C.स्टीमर*

जो-जो काम की चीजें वहाँ के लायक हैं वह बनती हैं। स्टीमर बनाने वाले भी होते हैं परन्तु स्टीमर तो वहाँ काम में नहीं आयेंगे। भल कोई ज्ञान लेवे या न लेवे परन्तु उनके संस्कार काम में नहीं आयेंगे। *वहाँ स्टीमर्स आदि की दरकार ही नहीं।* ड्रामा में है नहीं। हाँ विमानों की, बिजलियों आदि की दरकार पड़ेगी।

उत्तर 5- *D.बाप स्वयं आकर पढ़ाते हैं*

मनुष्य यह स्थूल वन्डर्स सब देखते हैं परन्तु वह तो कुछ भी नहीं है। *यह कितना वन्डर है जो सर्व का सद्गति दाता परमपिता परमात्मा आकर पढ़ाते हैं।* तुमको यह सब प्वाइंट्स भी धारण करनी है। मूल बात है ही गीता के भगवान की। इस पर जीत पाई तो बस।

उत्तर 6- *D.श्रीमत पर चलेंगे*

हम स्वर्गवासी बनने के लिए पवित्र बन रहे हैं। पहले नर्कवासी थे। मनुष्य कहते भी हैं फलाना स्वर्गवासी हुआ। परन्तु हम नर्क में हैं यह नहीं समझते। बुद्धि का ताला नहीं खुलता। तुम बच्चों का अब धीरे-धीरे ताला खुलता जाता है, नम्बरवार। *ताला उनका खुलेगा जो श्रीमत पर चलने लग पड़ेंगे।*

उत्तर 7- *D.स्वयं संपन्न बन*

स्लोगन:- *स्वयं को सम्पन्न बना लो तो विशाल कार्य में स्वत: सहयोगी बन जायेंगे।*

उत्तर 8- *C.क्राइस्ट*

सबको वापिस जरूर जाना है फिर नम्बरवार उतरते हैं। क्राइस्ट आयेंगे तो फिर उनके धर्म वाले भी आते रहेंगे। अभी देखो कितने क्रिश्चियन हैं। *क्राइस्ट हो गया क्रिश्चियन धर्म का बीज।* इस देवी-देवता धर्म का बीज है

परमपिता परमात्मा शिव। तुम्हारा धर्म स्थापन करते हैं परमपिता परमात्मा।

उत्तर 9- *B.विचार*

बाप आकर सब राज़ समझाते हैं। और सब आत्माओं के नाम बदलते हैं, शिव का नाम नहीं बदलता। उनका अपना शरीर है नहीं। शरीर बिगर पढ़ायेंगे कैसे! प्रेरणा की तो कोई बात ही नहीं। *प्रेरणा का अर्थ है विचार।* ऐसे नहीं, ऊपर से प्रेरणा करेंगे और पहुँच जायेंगे, इसमें प्रेरणा की कोई बात नहीं।

उत्तर 10- *C.पूरा-पूरा निश्चय नहीं है तो*

*जिन्हें पूरा-पूरा निश्चय नहीं है उनकी बुद्धि में याद ठहर नहीं सकती।* हमको कौन सिखला रहे हैं, यह जानते नहीं तो याद किसको करेंगे। जो यथार्थ पहचान कर याद करते हैं उनके ही विकर्म विनाश होते हैं। बाप

स्वयं ही आकर अपनी और अपने घर की यथार्थ पहचान देते हैं।

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

जितना-जितना आप बच्चे अन्तर्मुखी स्वीट साइलेन्स स्वरूप में स्थित होते जायेंगे उतना *नयनों की भाषा, भावना की भाषा और संकल्प की भाषा* को सहज समझते जायेंगे। यह तीन प्रकार की भाषा रूहानी योगी जीवन की भाषा है। *यह अलौकिक भाषायें बहुत शक्तिशाली हैं।* समय प्रमाण इन तीनों भाषाओं द्वारा ही सहज सफलता प्राप्त होगी।

उत्तर 12- *B.ब्राह्मण*

बाप भी भारत में ही आकर 3 धर्म स्थापन करते हैं। *अभी तुमको शूद्र धर्म से निकाल ऊंच कुल में ले जाते हैं। वह है नीच पतित कुल, अब पावन बनाने के लिए तुम ब्राह्मण निमित्त बनते हो।* इनको रुद्र ज्ञान यज्ञ कहा

जाता है। रुद्र शिवबाबा ने यज्ञ रचा है, इस बेहद के यज्ञ में सारी पुरानी दुनिया की आहुति पड़नी है।

उत्तर 13- *C.श्रीमत पर चलो*

बाप कहते हैं कर्मेन्द्रियों की बड़ी जांच करनी चाहिए। कौन-सी कर्मेन्द्रिय धोखा देती है? पोतामेल निकालना चाहिए। व्यापार है ना। *बाप समझाते हैं मेरे से व्यापार करना है, ऊंच पद पाना है तो श्रीमत पर चलो।* बाप डायरेक्शन देंगे, उसमें भी माया विघ्न डालेगी। करने नहीं देगी।

उत्तर 14- *C.जबान का स्वाद*

*सबसे बुरी आदत है - जबान का स्वाद।* कोई अच्छी चीज़ देखी तो छिपाकर खा लेंगे। छिपाना अर्थात् चोरी। चोरी रूपी माया भी बहुतों को नाक कान से पकड़ लेती है। इससे बचने का साधन जब भी कहाँ बुद्धि जाए

तो खुद ही खुद को सज़ा दो। बुरी आदतों को निकालने के लिए अपने आपको खूब फटकार लगाओ।

उत्तर 15- *D.प्रसन्नता*

स्लोगन:- *प्रसन्नता ही ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी है* - तो सदा प्रसन्नचित रहो।

उत्तर 16- *C.हद के जीवन का परिवर्तन*

*बालक बनना अर्थात् हद के जीवन का परिवर्तन होना।* कोई कितने भी बड़े देश का मालिक हो, धन वा परिवार का मालिक हो लेकिन बाप के आगे सब बालक हैं। तुम ब्राह्मण बच्चे भी बालक बनते हो तो बेफिकर बादशाह और भविष्य में विश्व के मालिक बनते हो।